647510 **BRSHinFC507B** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 5 (Remedial) (*CBCS*) Examination

February/March. -2020

HINDI LITERATURE AND LANGUAGE CORRECTION(FOUNDATION-7)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न-१ निम्नांकित प्रश्नों के सूचनानूसार उत्तर दीजिए । १५

(1) पत्नी शब्द के दो समानाथी शब्द लिखे।
(2) पर्वत शब्द के दो समानार्थी शब्द लिखे।
(3) हमारी सौभाग्यवती कन्या का विवाह होने जा रहा है। वाक्य को शुद्ध रुप से लिखे।
(4) जो सब में व्याप्त है वह।
(5) कई रेल्वे के कर्मचारियों को गिरफ्तार हुई – वाक्य को शुद्ध रुप से लिखे।
(6) गगन चुमने वाला – शब्द समुह के लिए एक शब्द दीजीए।
(7) जिसके आने की – विधि निश्चित – न हो – शब्द समुह के लिए एक शब्द दीजिए।
(8) जो अपनी हत्या करता है – शब्द समुह के लिए एक शब्द दीजिए।
(9) अनुवाद शब्द की परिभाषा दीजिए।
(10) संक्षेपण के किसी दो गुणों के नाम लिखे।
(11) विदेशी – शब्द के दो दो उदाहरण लिखें।
(12) जानने की इच्छा रखने वाला शब्द समुह के लिए एक शब्द दीजिए।
(13) देशज शब्द के दो दो शब्द लिखे।
(14) जो बहुत कम जानता है शब्द समुह के लिए शब्द दीजिए।
(15) नदी – शब्द के दो समानार्थी शब्द लिखें।

प्रश्न-२ अनुवाद के विभिन्न प्रकारों के बारे में लिखे। १५

अथवा

प्रश्न-२ संक्षेपण का अर्थ बताकर संक्षेपण के गुणों की विस्तृत चर्चा कीजिए। १५

प्रश्न-३ निम्नाकिंत टिप्पणीयों में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखे। १५

(1) हिन्दी शब्द समुह की चर्चा कीजिए।
(2) काव्य अनुवाद की समस्याएँ बताईए।
(3) अनुवाद की उपयोगिता लिखे।
(4) राष्ट्रीय एकता के लिए हिन्दी भाषा।
(5) एक अनुवादक के लिए जरुरी गुण

प्रश्न-४ विज्ञान शिक्षक के पद हेतु आवेदन पत्र तैयार कीजिए। १५

अथवा

प्रश्न-४ राजकमल प्रकाशन दिल्ली से अपने पुस्तकालय के लिए विभिन्न विषयों की किताबे मंगवाने हेतु पत्र तैयार कीजिए। १५

प्रश्न-५ निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती भाषा में अनुवाद करें। १०

बेरोजगारी का कारण है उचित शिक्षा का अभाव। भारतीय शिक्षा प्रणालीमें अब तो फिर भी कुछ सुधार हो गयै है किन्तु अब तक जो शिक्षा दी जाती रही है, वह व्यावहारिक दृष्टि से इतनी दोषपूर्ण थी कि पद लिखकर आदमी क्लर्क या अध्यापक ही बन पाता था। एसी शिक्षा प्राप्त व्यक्ति ही बेरोजगारी के अधिक शिकार है। यह सत्य है कि यह उनका नहीं – शिक्षा प्रणाली का दोष है। किंतु इस दोषारोपण से समस्या तो हल नहीं हो पाती समस्या का समाधान करने के लिए तो शिक्षा – प्रणाली में ही परिवर्तन और सुधार करनें होंगे। सरकार को भी बेरोजगार व्यक्ति तो प्रशिक्षण देकर उनकी बेरोजगारी की व्यवस्था करती होगी।

अथवा

प्रश्न-५ निम्नांकित परिच्छेद का संक्षेप्त कीजिए । १०

नारी को बंधनोमें जकडे रहने का सबसे सरल उपाय यह था कि उसे शिक्षा से वंचित का दिया जाये नाकि वह अपनी स्थिति पर बुद्धिमता पूर्वक विचार कर मुक्ति का मार्ग न पा सके। धार्मिक अंध विश्वासों को भी नारी ने अशिक्षा के कारण ही अपना लिया। पुरुष ने अपनी वासनापूर्ति की सुविधा के लिए स्त्रियां रखने का विधान बना लिया और नारी को पतिव्रता रहने का उपदेश दिया। उसे यह कहकर डराया भी गया कि यदि वह पति को छोडकर अन्य पुरुष की और आंख उठाकर देखेगी तो उसे नर्क मिलेगा।

यदि नारी शिक्षित होती तो वह अपनी बुद्धि के बल पर यह बात मानने को कभी तैयार न होती। उसे इन अंधविश्वासों में पडने से शिक्षा बया सकती थी किंतु शिक्षा के अभाव में वह पुरुष की स्वार्थपूर्ण इच्छाओं को ईश्वरीय नियम मानकर सहती चली गयी। परिणाम यह हुआ कि वह पुरुष की आज्ञाएँ मानने पर विविश होकर उसकी दासी, उसके बच्चों की दाय और घर का काम करनेवाली नौकरानी बन गयी।

****